दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:फरवरी-2024

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:फरवरी-2024

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह

अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

Febuary-2024

कार्यक्रम विवरण-

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1.	07.02.2024	कम्प्यूटर विज्ञान विभाग	डॉ. पवन कुमार पाण्डेय ने नेटवर्क डिवाइस को कराया इंटरनेशनल पेटेंट	1
2.	16.02.2024	यूथ पॉवर एसोसिएशन	गोरखपुर महोत्सव सम्मान	2
3.	19.02.2024	अंग्रेजी विभाग	Romanticism in Literature	3
4.	26.02.2024	महाविद्यालय एवं वाणिज्य विभाग	सत्र 2022–23 के ए.क्यू.ए.आर सबमिट एवं एकेडमिक आडिट	4
5	26.02.2024	कला संकाय	विदाई एवं स्वागत समारोह	5
6	26.02.2024	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	एयर स्ट्राइक स्मरण दिवस पर कार्यक्रम	6
7	28.02.2024	आई.क्यू.ए.सी. विभाग	विशिष्ट व्याख्यान	7

Feburary-2024

डॉ. पवन कुमार पाण्डेय ने नेटवर्क डिवाइस डिजाइन को कराया इंटरनेशनल पेटेंट

दिनांक 07.02.2024 को डॉ. पवन कुमार पाण्डेय को नेटवर्क घुसपैठ का पता लगाने और रोकथाम के लिए स्मार्ट डिवाइस के डिजाइन का इंटरनेशनल पेटेंट ग्रांट यूनाइटेड किंगडम से प्राप्त हुआ है, यह प्रस्तावित उपकरण समकालीन नेटवर्क वातावरण में बढ़ती साइबर–सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करता है। एडवांस मशीन लर्निंग एल्गोरिदम और वास्तविक समय की निगरानी का लाभ उठाते हुए, ए सडी–डीपीएनआई एक गतिशील और अनुकूली घुसपैठ का पता लगाने वाली प्रणाली प्रदान करता है।

नेटवर्क ट्रैफ़िक पैटर्न का लगातार विश्लेषण करके यह डिवाइस सामान्य व्यवहार और संभावित खतरों के बीच अंतर करता है। इसकी मुख्य विशेषताओं में स्वचालित प्रतिक्रिया तंत्र, उपयोगकर्ता के अनुकूल इंटरफेस और मौजूदा सुरक्षा बुनियादी ढांचे के साथ सहज एकीकरण शामिल हैं। एसडी–डीपीएनआई साइबर–सुरक्षा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है। जो नेटवर्क घुसपैठ के उभरते परिदृश्य के खिलाफ एक बुद्धिमान और सक्रिय रक्षा प्रदान करता है। यह इंटरकनेक्टेड सिस्टम की अखंडता और सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

डॉ. पवन कुमार पाण्डेय के इस उपलब्धि का श्रेय अपनी पूज्य महाराज जी एवं वर्तमान मुख्यमंत्री ,उत्तर प्रदेश दिया है, जिनका उद्बोधन हमें निरंतर प्रेरित करता है। साथ ही उन्होने कहा कि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह एवं आइ.क्यू.ए.सी. कोऑर्डिनेटर प्रो. परीक्षित सिंह की प्रेरणा हमें इस प्रकार के कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करती है। इस प्रकार के कार्य में पूरी टीम का योगदान होता है और इस पेटेंट डिजाइन टीम में मुख्य सहयोगी के रूप में चंडीगढ़ विश्वविद्यालय से हरीश सैनी, डॉ. ललित कुमार, ज्योति सैनी, अनूप आर्य एवं पानीपत इंजीनियरिंग कॉलेज से डॉ. दिनेश वर्मा और डॉ. दीपक कौशिक रहे हैं।

Feburary-2024

गोरखपुर महोत्सव में नुक्कड़ नाटक करने वाले कलाकारों का हुआ सम्मान

दिनांक 16.02.2024 गोरखपुर को गत 11 जनवरी से 13 जनवरी तक आयोजित गोरखपुर महोत्सव में महोत्सव समिति द्वारा युवाओं की सामाजिक संस्था यूथ पॉवर एसोसिएशन को स्वच्छता, जल संरक्षण तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु गोरखपुरवासियों को जागरूक करने की जिम्मेदारी दी गयी थी जिसका यूथ पॉवर एसोसिएशन के टीम के नुक्कड़ नाटक के कलाकारों ने बखूबी निर्वहन किया था। हास्य व्यंग्य तथा रोचक संवादों से भरे नुक्कड़ नाटक के माध्यम से वाईपीए टीम के कलाकारों ने चम्पा देवी पार्क स्थित महोत्सव परिसर में विभिन्न स्थलों सहित गोरखनाथ मंदिर मेला प्रांगण, रेलवे स्टेशन, रामगढ़ ताल नौका विहार, शहीद अशफाक उल्लाह खां प्राणी उद्यान गोरखपुर, बाल विहार आदि शहर के प्रमुख प्रमुख स्थलों पर गोरखपुरवासियों को जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक किया था। **प्रमाण पत्र पाकर खिले चेहरे गोरखपुर महोत्सव में नुक्कड़ नाटक में प्रतिभागिता हेतु प्रमाण पत्र पाकर सार्थक शुक्ला, कीर्ति शुक्ला, रामाशीष यादव, सत्यम गुप्ता, प्रभास दुबे, स्मिता पाण्डेय, शांधवी वर्मा, प्रियांजलि प्रजापति, अमरिता प्रजापति, विपिन मद्धेशिया, आराध्या दूबे, अंकित कुशवाहा आदि अत्यन्त प्रसन्नचित्त हुए।**

Dr.Prafull said, "Had Keats lived for few more years, he would have even eclipsed Shakespeare"

Date. 19-02-2024. Speaking during the guest lecture on the topic **"Romanticism in Literature" organised by Department of English, Digvijai Nath P.G. College, Gorakhpur, Dr. Prafull** expressed his keen insights and views about Romanticism in literature. Dwelling on its genesis, the impact of French Revolution and the advent of Lyrical Ballads, he elaborated the meaning of romanticism, its origin and the impact French Revolution had on the literary writings of Romantic era.

Furthermore, Dr. Rai, very adroitly, differentiated between 'imagination' and 'Fancy' while highlighting the literary contribution of the great romantic poet and critic, S.T. Coleridge. Besides this, he also briefed the students about the later Romantics likes John Keats and P.B. Shelly, delineating their remarkable literary outputs. Regarding John Keats, he averred "**Had Keats lived for few more years, he would have even eclipsed William Shakespeare. He made special mention of the year 1819 in Keats' life as it produced as many as six odes, and thus on one can quite easily guage the greatness of the great Romantic poet John Keats.**" The erudite speaker also described the literary outputs of the great revolutionary poet P.B. Shelly.

Febuary-2024

वाणिज्य विभाग का एकेडमिक ऑडिट

दिनांक 26 फरवरी 2024 को महाविद्यालय गोरखपुर के आई.क्यू.ए.सी. कोऑर्डिनेटर प्रो. परीक्षित सिंह के नेतृत्व में सत्र 2022–23 के ए.क्यू.ए.आर की जांच एवं वाणिज्य विभाग के एकेडमिक ऑडिट का आयोजन डॉ. अमरनाथ तिवारी, सहायक आचार्य, महंत अवेद्यनाथ राजकीय महाविद्यालय जंगल कौडिया के निर्देशन में किया गया।

डॉ तिवारी जी ने महाविद्यालय द्वारा तैयार सत्र 2022–23 का नैक ए.क्यू.ए.आर एवं वाणिज्य विभाग द्वारा प्रस्तुत डॉक्यूमेंट्स की जांच करते हुए आवश्यक सुझाव दिया, जिसे सक्रियता से क्रियान्वित करते हुए पूर्ण कर लिया गया। इसके पश्चात ए.क्यू.ए.आर सबमिशन की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। इस अवसर पर डॉ अमरनाथ तिवारी ने कहा इस बार आई.क्यू.ए.सी. कोऑर्डिनेटर प्रो परीक्षित सिंह के नेतृत्व में निश्चित तौर पर उत्कृष्ठ तैयारी की गई है और आने वाले समय में नैक मूल्यांकन में दिग्विजयनाथ कॉलेज उत्कृष्ठ ग्रेडिंग प्राप्त करेगा।

डॉ परीक्षित सिंह,आई.क्यू.ए.सी. कोऑर्डिनेटर ने मुख्य अतिथि के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि ए.क्यू.ए.आर तैयारी में पूरा श्रेय हमारे क्राइटेरिया कोऑर्डिनेटर्स और उनकी टीम को जाता है।

विदाई एवं स्वागत समारोह

दिनांक 26.02.2024 को गोरखपुर महाविद्यालय के कला संकाय के बी.ए. द्वितीय वर्ष के छात्र/छात्राओं द्वारा बी.ए. प्रथम वर्ष के सम्मान में स्वागत समारोह एवं अंतिम वर्ष के छात्र/छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती जी के प्रतिमा पर पुष्पांजली द्वारा का शुभारम्भ किया गया।

प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने छात्र/छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि युवाओं में अपार शक्ति होती है, जरूरत है उस शक्ति को पहचानने की। उन्होने युवा शक्ति का आह्वान करते हुए कहा कि आज युवाओं को अपने अन्दर विवेकानन्द के आदर्शों को आत्मसात करने की जरूरत है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति के सर्वांगीण विकास करना होता है।

आभार ज्ञापन कार्यक्रम की संयोजक प्रो. अर्चना सिंह ने किया। अनुशासन व्यवस्था देख रहे प्रो. धीरेन्द्र ने कहा कि अनुशासन किसी विद्यालय का श्रृंगार होता है, जो उतना ही जरुरी है जितना आपका सौंदर्य।

Feburary-2024

एयर स्ट्राइक स्मरण दिवस पर कार्यक्रम

दिनांक 26 फरवरी 2024 को महाविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा पुलवामा हमले के विरोध में भारतीय वायु सेना द्वारा किए गए एयर स्ट्राइक का स्मरणं दिवस मनाया गया। वर्तमान भारत किसी भी प्रकार की सुरक्षा चुनौतियों का न सिर्फ डटकर सामना कर रहा है अपितु सुरक्षा समस्याओं को जड़ से समाप्त करने के लिए भी तत्पर है। भारत ने सर्जिकल और एयर स्ट्राइक करके दुश्मन देश को यह संदेश दे दिया है कि भारत किसी भी कीमत पर अपनी सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा। भारत तेजी से रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो रहा है। 2018 में स्थापित 'आइडेक्स' रक्षा क्षेत्र में शोध तथा नवाचार को विकसित ढांचा तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रहा है। रक्षा अनुसंधान के बजट का 25 प्रतिशत नवीन स्वदेशी तकनीको के विकास में खर्च हो रहा है। रक्षा एवं अनुसंधान संगठन के निर्देशन में बहुत से उद्योग एवं स्टार्टअप प्रारम्भ हो चुके हैं। जो आने वाले समय में भारत की रक्षा व्यवस्था को मजबूती तो प्रदान करेगा ही साथ ही देश के तीव्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उक्त बातें महाविद्यालय के **प्राचार्य, प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने** अपने उद्‌बोधन में कही। इसी क्रम में **रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. राम प्रसाद यादव** ने कहा कि भारत कभी भी आक्रामक राष्ट्र नहीं रहा है। प्राचीन काल से भारत पर सैकड़ो बार हमले हुए हैं फिर भी भारत अपने अस्तित्व, मूल्य, संस्कृति और विरासत को सम्भाले हुए आगे बढ़ा है लेकिन परिवर्तित परिदृश्य में यह आवश्यक है कि हम सदैव युद्ध के लिए तैयार रहे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर विशिष्ट व्याख्यान

दिनांक 28.02.2024 को महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. एवं चन्द फाउण्डेशन तथा विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वावधान में **राष्ट्रीय विज्ञान दिवस** के अवसर पर **"न्यू एज टेक्नॉलॉजी फार ह्यूमन वेलफेयर" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन** किया गया। जिसमें **मुख्य अतिथि प्रो. अभिषेक जीना, जनरल सर्जन बी.आर.डी मेडिकल कालेज, गोरखपुर** ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में लखनऊ के बाद बी.आर.डी. मेडिकल कालेज, गोरखपुर स्वास्थ्य तकनीकी के क्षेत्र में प्रथम प्राथमिकता में आता है। कोरोना काल के अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि तत्कालीन समय में सीमित संसाधनों के होने के बावजूद उत्तर प्रदेश सरकार के प्रोत्साहनों से हम सभी ने लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने का प्रयास किया जिसमें हमारी टीम ने लोगों को बचाने में अपेक्षित सफलता प्राप्त की। **कार्यक्रम के विशिष्टि अतिथि डॉ. राजीव सिंह, वैज्ञानिक–सी, रीजनल मेडिकल रिसर्च सेन्टर, गोरखपुर (इण्डियन कौसिंल ऑफ मेडिकल रिसर्च भारत सरकार) थे। उन्होंने** विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सन् 2005 में मस्तिष्क ज्वर से 5000 बच्चे प्रभावित हुए जिनमें से लगभग 1000 बच्चों की भयावह मृत्यु हो गयी। यह जापानी इन्सेफेलाइटिस वायरस की देन था, जिसपर प्रदेश सरकार ने पूरी तरह से नियंत्रण किया है। **कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य, प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि** आज प्रयोगशाला व पाठशाला के बीच संवाद स्थापित हो रहा है, जिसका लाभ हमारे विद्यार्थियों को अपने कैरियर निर्माण की दिशा में मिलेगा। व्यक्ति के तकनीकी विकास व कौशल का परीक्षण आपदा काल ही में होता है। भारतीय मानस सूर्योदय से सूर्यास्त तक कार्य करने में विश्वास रखता है।

February-2024